26 लाख फार्मासिस्ट औषधियों की खोज में लगे हैं : राज्यपाल

उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी टेक्नोलॉजी से शिक्षा का स्तर बेहतर हो रहा है। कोविड की आपातकालीन परिस्थितियों में भी धैर्यपूर्वक कार्य करते हुए स्वदेशी कोविड वैक्सीन और दवाएं बनाईं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व में करीब 26 लाख फार्मासिस्ट हैं जो लगातार नई औषधियों की खोज में लगे हैं। राज्यपाल ने वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया। यूटीयू और ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च काशीपुर के साथ मिलकर इस संगोष्ठी का आयोजन कर रहे हैं। इसमें ड्रग डिजाइन और डिस्कवरी स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटलीकरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, शोध एवं नवाचार, डिजिटल ग्रीन कृषि जैसे वैश्विक स्तर के समसामयिक विषयों पर चर्चा होगी। इसमें अमेरिका, रूस, जर्मनी, फ्रांस, तुर्की, मलेशिया, इंडोनेशिया, ग्रीस, बेल्जियम, स्लोवेनिया, ब्रिटेन, स्विटजरलैंड, साउथ कोरिया सहित भारत के विभिन्न क्षेत्रों से वैज्ञानिक शामिल हुए हैं।

यूटीयू में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में बोलते राज्यपाल। - संवाद

भारतीयों ने विश्व को वसुधैव कुटुंबकम का रास्ता दिखाया

राज्यपाल ने कहा कि स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में विकसित हो रहे वैश्विक रुझान के आधार पर आयोजित इस संगोष्ठी से बहुत कुछ नया मिलेगा। पिछले वर्ष आयोजित जी-20 सम्मेलन से हम भारतीयों ने विश्व को वसुधैव कुटुंबकम का जो रास्ता दिखाया, उस पर आगे बढ़ते हुए हम आज इस संगोष्ठी के पड़ाव पर पहुंचे हैं। चिकित्सा क्षेत्र में जीनोमिक्स और डेटा एनालिटिक्स, टेलीमेडिसिन की बढ़ोतरी हो रही है जिसके चलते स्वास्थ्य सुधार के साधनों की पहुंच विशेषकर दूरदराज के क्षेत्रों में हो रही है।

देश-विदेश से 52 शोधपत्र आए

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में देश-विदेश से 52 शोधपत्रों के प्रतिभागियों का विवि के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने स्वागत किया। इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विदेश से आए विशेषज्ञ वार्ता करेंगे। केजीएमयू लखनऊ की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंदा, स्विटजरलैंड से हेल्थ इकोनॉमिस्ट और बिजनेस डेवलॉपमेंट एक्सपर्ट डॉ. ओमर साका, अमेरिका से प्रोफेसर गुंडा जॉर्ज डॉ. ओम प्रकाश, रूस से डॉ. डीमटरी, ग्रीस से प्रोफेसर एथेना जीरोनीकाकी समेत अन्य विशेषज्ञ पंहुचे।